अस्मिन् प्रश्नपत्रे **35** प्रश्नाः एवं **8** मुद्रित पृष्ठाः सन्ति ।

इस प्रश्न-पत्र में **35** प्रश्न एवं **8** मुद्रित पृष्ठ हैं ।

अनुक्रमाङ्कः
रोल नं.

SANSKRIT SAHITYA
संस्कृतसाहित्यम्
(248)

गूढसंख्या कूट सं. **64/S/O**

SET A

परीक्षादिवसः दिनाङ्कश्च
(तिथि व समय – परीक्षा दिवस) .....

निरीक्षकयोः हस्ताक्षरम्
(निरीक्षक के हस्ताक्षर)

1. .....

2. .....

सामान्या निर्देशाः –

1. अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपृष्ठे नूनं लेख्यः ।
2. निरीक्ष्यताम् यत् प्रश्नपत्रस्य पृष्ठसंख्या प्रश्नानां संख्या च प्रथमपृष्ठस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा । प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा ।
3. वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् (क), (ख), (ग), (घ) एषु विकल्पेषु युक्तम् उत्तरं चित्वा उत्तरपत्रे लेख्यम् ।
4. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि ।
5. उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति ।
6. स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या नूनं लेख्या ।
7. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि ।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

सामान्य निर्देश –

1. रोल नं. प्रश्न-पत्र के प्रथम पृष्ठ में लिखें ।
2. प्रश्न-पत्र की पृष्ठ संख्या एवं प्रथम पृष्ठ में दिये गये प्रश्नों की संख्या और प्रश्नों के क्रम ठीक हैं या नहीं इसका निरीक्षण करें ।
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का उचित विकल्प (क, ख, ग, घ) चुनकर उत्तर-पत्र में लिखें ।
4. संक्षेप में दिये गये प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखें ।
5. उत्तर-पत्र में आत्मपरिचय न दे तथा निर्दिष्ट किये गये स्थान में ही अनुक्रमाङ्क (रोल नं.) लिखें ।
6. अपने उत्तर-पत्र में प्रश्न-पत्र का कोड अवश्य लिखें ।
7. संक्षिप्त प्रश्नों के उत्तर केवल संस्कृत भाषा में ही लिखें ।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

SANSKRIT SAHITYA

संस्कृतसाहित्यम्

(248)

होरात्रयम् : तीन घंटे] **[पूर्णाङ्काः : – 100**

परीक्षा का समय : तीन घंटे] **[पूर्णाङ्क : – 100**

निर्देशाः (1) अस्मिन् प्रश्नपत्रे [A] भागे 10, [B] भागे 10, [C] भागे 10, [D] भागे 5 इति आहत्य **35** प्रश्नाः सन्ति ।

(2) प्रश्नस्य दक्षिणे पार्श्वे संख्यासु (अङ्काः × प्रश्नाः = पूर्णाङ्काः) इति एवम् अङ्कान् निर्दिशति ।

(3) **सर्वे** प्रश्नाः अनिवार्याः ।

निर्देश : (1) इस प्रश्न–पत्र में (अ) भाग में 10, (ब) भाग में 10, (स) भाग में 10 व (द) भाग में 5 इस प्रकार कुल मिलाकर **35** प्रश्न हैं ।

(2) प्रश्न की दाहिनी ओर की संख्याओं में (अंक × प्रश्न = पूर्णाङ्क) ऐसे अंकों का निर्देश है ।

(3) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

[A] दशानां प्रश्नानां युक्तं विकल्पं चिनुत । **1 × 10 = 10**

दस प्रश्नों के उचित विकल्प चुनिए ।

1. पशूनां परमं भागधेयं किम् ?

(क) साहित्यसङ्गीतकलाविहीनः पुरुषः

(ख) धनहीनः पुरुषः

(ग) शक्तिहीनः पुरुषः

(घ) भयहीनः पुरुषः

पशुओं का परम सौभाग्य क्या है ?

(क) साहित्य संगीत और कला से विहीन पुरुष

(ख) धनहीन पुरुष

(ग) शक्तिहीन पुरुष

(घ) भयहीन पुरुष

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

2. इति श्लोकः कुत्र प्राप्यते ?

(क) वेतालपञ्चविंशतौ (ख) पञ्चतन्त्रे

(ग) शुकसप्ततौ (घ) हितोपदेशे

"सर्वनाशे समुत्पन्ने अर्धं त्यजति पण्डितः" ("सर्वनाश के होने पर पण्डित आधा छोड़ देते हैं") – यह श्लोक कहाँ मिलता है ?

(क) वेतालपञ्चविंशति में (ख) पंचतत्र में

(ग) शुकसप्तति में (घ) हितोपदेश में

3. यज्ञविषयाः प्रधानतया कस्मिन् वेदे सन्ति ?

(क) ऋग्वेदे (ख) यजुर्वेदे

(ग) सामवेदे (घ) अथर्ववेदे

यज्ञ की प्रधान विधियाँ किस वेद में हैं ?

(क) ऋग्वेद में (ख) यजुर्वेद में

(ग) सामवेद में (घ) अथर्ववेद में

4. प्रख्या का ?

(क) कारयित्रीप्रतिभा (ख) भावयित्रीप्रतिभा

(ग) अभ्यासः (घ) व्युत्पत्तिः

प्रख्या क्या है ?

(क) कारयित्री प्रतिभा (ख) भावयित्री प्रतिभा

(ग) अभ्यास (घ) व्युत्पत्ति

5. "ज्ञाने मौनं क्षमा शक्तौ" इत्यत्र कः अलङ्कारः ?

(क) समासोक्तिः (ख) दृष्टान्तः

(ग) अर्थान्तरन्यासः (घ) उत्प्रेक्षा

"ज्ञाने मौनं क्षमा शक्तौ" इसमें कौन सा अलङ्कार है ?

(क) समासोक्ति (ख) दृष्टान्त

(ग) अर्थान्तरन्यास (घ) उत्प्रेक्षा

6. प्रकरणे अङ्गी रसः कः ?

(क) वीरः (ख) शृङ्गारः

(ग) करुणः (घ) शान्तः

प्रकरण में प्रधान रस कौन सा है ?

(क) वीर (ख) शृङ्गार

(ग) करुण (घ) शान्त

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

7. कस्या नद्यास्तीरे रामलक्ष्मणाभ्यां सह हनुमतः साक्षात्कारः अभवत् ?

(क) गङ्गानद्याः (ख) सरस्वतीनद्याः

(ग) यमुनानद्याः (घ) पम्पानद्याः

किस नदी के किनारे राम-लक्ष्मण के साथ हनुमान का साक्षात्कार हुआ ?

(क) गङ्गा नदी के (ख) सरस्वती नदी के

(ग) यमुना नदी के (घ) पम्पा नदी के

8. सुग्रीवस्य भ्राता कः ?

(क) बाली (ख) अङ्गदः

(ग) नीलः (घ) रावणः

सुग्रीव के भाई कौन थे ?

(क) बाली (ख) अङ्गद

(ग) नील (घ) रावण

9. कर्णभारनाटके फाल्गुनः इति कस्य विशेषणम् ?

(क) कर्णस्य (ख) दुर्योधनस्य

(ग) अर्जुनस्य (घ) इन्द्रस्य

कर्णभारनाटक में फाल्गुन शब्द किसका विशेषण है ?

(क) कर्ण का (ख) दुर्योधन का

(ग) अर्जुन का (घ) इन्द्र का

10. समाययौ इत्यत्र को धातुः ?

(क) याधातुः (ख) इधातुः

(ग) माय्-धातुः (घ) ऋधातुः

समाययौ इस शब्द में क्या धातु है ?

(क) या धातु (ख) इ धातु

(ग) माय् धातु (घ) ॠ धातु

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

[B] दशानां यथानिर्देशम् उत्तराणि लिखत । **2 × 10 = 20**

दस प्रश्नों के यथानिर्दिष्ट उत्तर लिखें ।

11. श्रोत्रेन्द्रियस्य हस्तस्य च शोभा केन भवति ? **1 + 1**

कान व हाथ की शोभा किससे होती है ?

12. कदा जनो द्विप इव मदान्धो भवति ? कदा मूर्खोऽस्मीति ज्वर इव मदो व्यपगच्छति ? **1 + 1**

कब मनुष्य हाथी के समान मदान्ध होता है और कब मैं मूर्ख हूँ ऐसे ज्वर के समान मद से दूर जाता है ?

13. कस्य अनुरोधेन कः पञ्चतन्त्रं रचयामास ? **1 + 1**

किसके अनुरोध से किसने पञ्चतन्त्र की रचना की ?

14. "अमुखः स्फुटवक्ता च यो जानाति स पण्डितः" इत्यत्र अमुखोऽपि स्फुटवक्ता कः ? किमर्थम् ? **1 + 1**

"मुख न होने पर भी स्पष्ट वक्ता है ऐसा जो जानता है वह पण्डित है" इसमें मुख न होने पर भी स्पष्ट बोलने वाला कौन है ? किस लिए ?

15. नाटकरूपकयोर्भेदं विलिख्य रूपकस्योदाहरणमेकं प्रयच्छत । **1 + 1**

नाटक व रूपक का भेद लिखकर रूपक का एक उदाहरण दीजिए ।

16. "वाक्यज्ञो वाक्यकुशलः पुनर्नोवाच किञ्चन" – कः पुनर्नोवाच ? श्लोकांशस्य कर्मणि परिवर्तनं कुरुत । **1 + 1**

"वाक्य का ज्ञाता वाक्य में कुशल होता है कुछ भी फिर से नहीं बोला" – कौन फिर से नहीं बोला ? इस श्लोकांश का कर्म में परिवर्तन कीजिए ।

17. "करिष्यति यथाबलमद्य युद्धम्" – कः युद्धं करिष्यति ? किमर्थम् ? **1 + 1**

"बल के अनुसार युद्ध करेगा" – कौन युद्ध करेगा ? किस लिए ?

18. प्रस्तावनाया अपरं नाम किम् ? तत्र कः केन वार्तालापं करोति ? **1 + 1**

प्रस्तावना का दूसरा नाम क्या है ? वहाँ कौन किससे वार्तालाप करता है ?

19. "वरं विरोधोऽपि" – कैः सह विरोधो वरम् ? कस्योक्तिरियम् ? **1 + 1**

"विरोध श्रेष्ठ है" । किनसे विरोध अच्छा है ? यह किसकी उक्ति है ?

20. मखशब्दस्य हिरण्यरेतः शब्दस्यार्थं लिखत । **1 + 1**

मख शब्द और हिरण्यरेतः शब्द का अर्थ लिखिए ।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

[C] दश अनतिदीर्घोत्तरैः समाधत्त । **4 × 10 = 40**

दस प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए :

21. यथार्थमित्रस्य स्वरूपज्ञापकं सुभाषितश्लोकं व्याख्यात ।

    अच्छे मित्र के स्वरूप को दर्शाने वाला एक सुभाषित श्लोक लिखकर उसकी व्याख्या कीजिए ।

22. "ठठण्ठठण्ठं ठठठण्ठठण्ठः" – इति समस्याश्लोकं व्याख्यात ।

    "ठठण्ठठण्ठं ठठठण्ठठण्ठः" – इस समस्यायुक्त श्लोक की व्याख्या कीजिए ।

23. "मूर्खानां न समादरः" इति कथाधारेण भोजनसमये मूर्खानां मूर्खत्वं स्वभाषया वर्णयत ।

    "मूर्खों का आदर नहीं" इस कथा के आधार पर भोजन के समय "मूर्खों का मूर्खत्व" पर अपनी भाषा में वर्णन कीजिए ।

24. मुखे हस्तद्वयं धत्ते, सर्वथा जागरूका सा ।

    प्रतिक्षणं वदन्तीव, प्राणाश्च पिञ्जिताः सदा ।। – इति प्रहेलिकां समाधत्त ।

    मुख पर दोनों हाथ रखकर सदैव जागरूक रहती है हर क्षण मानो बोलती रहती है और प्राणों में निवास करती है – इस पहेली का समाधान कीजिए ।

25. गुणस्वरूपं लिखित्वा प्रसादगुणं परिचाययत ।

    गुण के स्वरूप को लिखकर प्रसाद गुण का परिचय दीजिए ।

26. भिक्षुरूपप्रतिच्छन्नं सुग्रीवप्रियकारणात् ।

    ऋष्यमूकादिह प्राप्तं कामगं कामचारिणम् ।। इति श्लोकं सप्रसङ्गं व्याख्यात ।

    भिक्षुक के रूप में छिपा हुआ, सुग्रीव की प्रीति के कारण ऋष्यमूक पर्वत से कामुक, कामानुचारी यहाँ आया हूँ – इस श्लोक की प्रसङ्ग सहित व्याख्या कीजिए ।

27. हनुमान् शिक्षाशास्त्रज्ञ आसीदिति कथं ज्ञायते ?

    हनुमान् शिक्षाशास्त्रज्ञ थे ऐसा कैसे ज्ञात होता है ?

28. कर्णस्य हृदयपरितापं स्वभाषया लिख्यताम् ।

    कर्ण के हृदय के परिताप को अपनी भाषा में लिखें ।

29. द्रौपदीवचनं युधिष्ठिरस्य कृते कुतः अधिक्षेपः इति स्वभाषया लिख्यताम् ।

    द्रौपदी का युधिष्ठिर के प्रति किये गये दोषारोपण को अपनी भाषा में लिखिए ।

30. महौजसो मानधना धनार्चिता धनुर्भृतः संयति लब्धकीर्तयः ।

    नसंहतास्तस्य नभिन्नवृत्तयः प्रियाणि वाञ्छन्त्यसुभिः समीहितुम् ।। इति श्लोकं सप्रसङ्गं व्याख्यात ।

    महा ओजस्वी, मानी, धनी व धन का भरण करने वाले, संयमी व कीर्तिमान, अभिन्नवृत्ति वाले, जो दूसरों का सदा प्रिय चाहते हैं और धार्मिक जीवन के इच्छुक है – इस श्लोक की प्रसङ्ग सहित व्याख्या कीजिए ।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

[D] पञ्च दीर्घोत्तरैः समाधेयाः । **6 × 5 = 30**

पाँच के दीर्घ उत्तर दीजिए :

31. "विषाङ्गनावृत्तम्" इति कथायाः सारं लिखत ।

    "विषाङ्गनावृत्तम्" इस कथा का सार लिखिए ।

32. विश्वनाथोक्तं लक्षणालक्षणं सोदाहरणं व्याख्यात ।

    विश्वनाथ के द्वारा कहे गये 'लक्षणालक्षण' की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए ।

33. "एतच्छ्रुत्वा वचस्तस्य रामो लक्षणमब्रवीत्" – रामो लक्ष्मणं किम् अब्रवीत् इति स्वभाषया लिखत ।

    उसके इस वचन को सुनकर राम ने लक्ष्मण से कहा – राम ने लक्ष्मण से क्या कहा ? ऐसा अपनी भाषा में लिखिए ।

34. कवचकुण्डलदानात् प्राक् कर्णेन ब्राह्मणरूपिणे इन्द्राय किं किं दातुमीप्सितमिति पाठ्यांशमवलम्ब्य निरूप्यताम् ।

    कवच कुण्डल देने से पहले ब्राह्मण के रूप आये इन्द्र को कर्ण क्या क्या देना चाहता था ? पाठ के अनुसार निरूपित कीजिए ।

35. दुर्योधनस्य सामाद्युपायचतुष्टयप्रयोगकौशलं सश्लोकं निरूपयत ।

    दुर्योधन के सामादि चार प्रकार के उपाय के प्रयोग कौशल का श्लोक के साथ निरूपण कीजिए ।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279